THE VICE-CHAIRMAN (DR. E.M. SUDARSANA NATCHIAPPAN): Whether the House feels that we should complete the Special Mentions.

DR. K.P. RAMALINGAM: Yes, Sir.

THE VICE-CHAIRMAN (DR. E.M. SUDARSANA NATCHIAPPAN): Okay. Till the last Special Mention is over, we will continue.

---

## SPECIAL MENTIONS

### Need to make strict laws to maintain permitted quantity of salts, etc in junk food by various food companies in the country

**डा. राम प्रकाश** (हरियाणा): महोदय, आज महानगरों के व्यस्त जीवन ने जंक फूड को हमारे जीवन का अहम हिस्सा बना दिया है। हम इसके माध्यम से, अपने आपको आधुनिक दिखाने के चक्कर में, ऐसी आदतों का शिकार हो रहे हैं, जो अंततः हमारे स्वास्थ्य के लिए घातक साबित हो रही हैं। इसमें टेलीविजन तथा अन्य संचार माध्यम भी जंक फूड को छोटे-छोटे शहरों में घर-घर तक पहुंचा रहे हैं, जिससे यहां के बच्चों में भी जंक फूड की ललक पैदा हो रही है। माता-पिता भी समय को बचाने हेतु इस जंक फूड को अपने बच्चों को देने में परहेज नहीं करते, मगर वे शायद यह नहीं जानते कि जिस जंक फूड को वे अपने प्यारे-प्यारे बच्चों को खिला रहे हैं या स्वयं खा रहे हैं, उसमें लवण आदि की मात्रा सेहत के लिए घातक है। महोदय, जो मात्रा पैकिंग पर लिखी जाती है, उससे कई गुना ज्यादा इसमें उपलब्ध होती है। कमजोर कानून के कारण ये जंक फूड बनाने वाली कम्पनियां कानूनी कार्यवाही से बच जाती हैं।

अतः मैं सरकार से अनुरोध करता हूं कि वह जंक फूड पर पैकिंग पर लिखी मात्रा से अधिक लवण आदि की मात्रा पाए जाने पर इन कम्पनियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई हेतु कानून बनाए।

### Need to check crimes against mentally-ill women and take steps for their rehabilitation

SHRIMATI VASANTHI STANLEY (Tamil Nadu): Sir, my Special Mention is about the crimes against mentally-challenged women.

Sir, I would like to use this opportunity to bring to the notice of this august House the very grave matter about human rights violation. Crimes against mentally-ill women are on the rise, not only in India but globally also. We must ensure that those responsible for such abusive behaviour are brought to book.